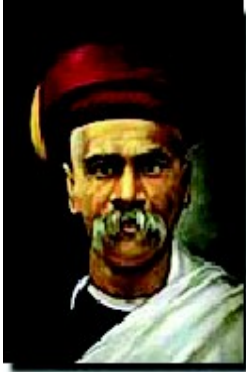




बच्चा, खुदके अऊर सबके मस्त शक्तिमान बनवा। लोकमान्य टिलकजी कॉलेज में रहेन। व्यायाम शाला रोज जात रहेन। व्यायाम के खातिर ओन एक साल फेल होयगएन। पर तदरुस्त भएनह। फिर जेल गएन अंग्रेजनसे 57 साल लढेन। तब हमसे

आजाद भएह।

बच्चा रोज व्यायाम कर शक्तिमान बन।भारतक भाग्य बदलय वाला विधाता बन।



गोपाळ गणेश आगरकरजी बडा समाजक सुधारक रहेन। दमा के बिमारी से 32 साल में हि गुजर गएन। बाळशास्त्री जांभेकरजी ऐन पहिला मराठी अखबार निकालेन तभय ओन 32 साल के उम्र में टाइफाइड से गुजर गएन। ऐकव लडाई कभव न हारेवाले पहले बाजीराव पेशवे अऊर शिवाजी

महाराज दुनवजने टाइफाइड से गुजर गएन।



पहिला मराठी विश्वकोष बनावय वाला केतकरजी, महुमेह से, तो माधवराव पेशवाजी क्षयरोग से 20 साल के उम्र में गुजर गऐन। ईसब लोग बीमारी टालकर, ज्यादा दिन जीयेन, तब इतिहास अलग होत रहा। बच्चों आव ऐनसे सीख। शरीर अऊर मन से शक्तिमान बन। इकिताब पढ, सब टीका लगवाव, बिमारीसे दूर रहा। उच्चा लोग सबपर राज करथेन। लम्बे तगडे अऊर बुद्धीमान बन।

ऐन सभे कईसे बनेनह, ईकिताब पढ। छोटा डॉक्टर बना। खुदके अऊर सबके मस्त बनाव।